जवेरों की नहरें (महल)

नक्शा नं. 76 (अ) जवेरों की नहरों (महलों) के 9 फिरावे

10 महानद जवेरों की नहरों में गोलाई में घेरकर (400 कोस चौड़ी)

9 फिरावे
(10 महानद के मध्य)

चौक (नहर सहित 50,000 कोस लम्बा-चौड़ा , कुल 124 चौक की 9 हारें)

नहरें (प्रत्येक चौक के चारों दिशाओं में)

चेहबच्चे
(प्रत्येक चौक के चारों कोनों में)व 5 फव्वारे

हवेली (भोमभर ऊँची, प्रत्येक चौक के मध्य के तीसरे हिस्से में)

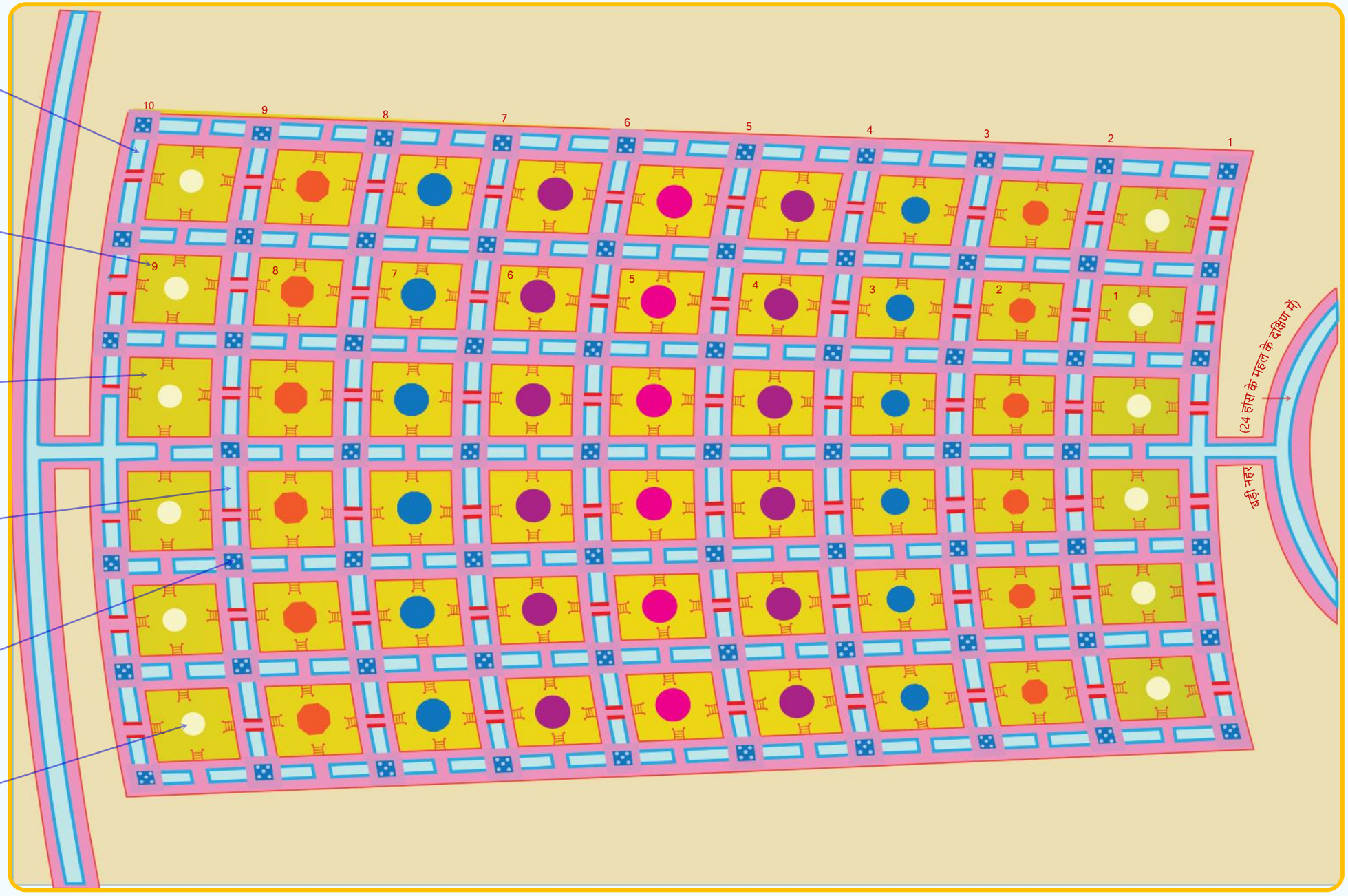

नक्शा नं. 76(ब) जवेरों की नहरों के नौ फिरावे

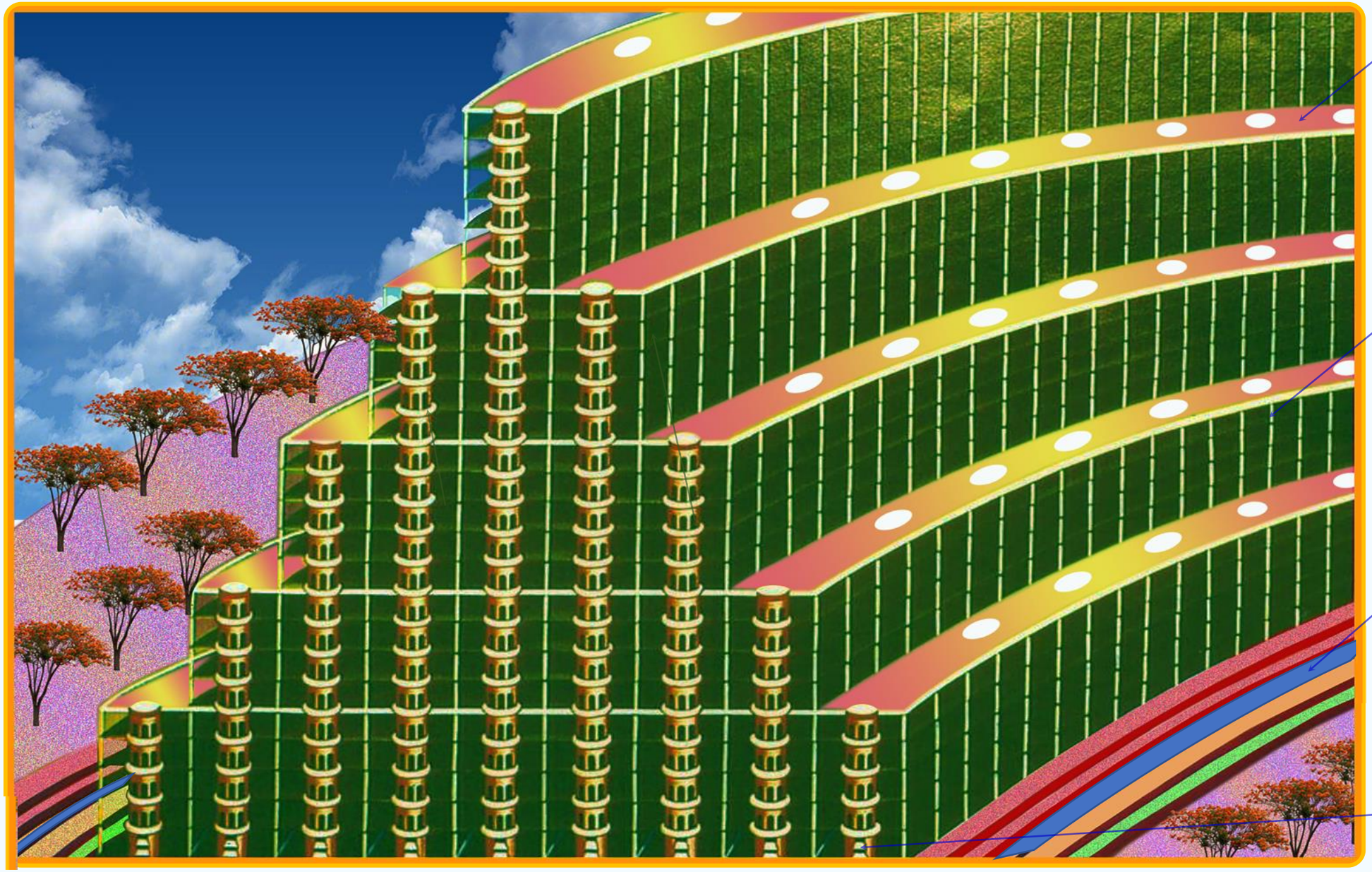

नौवां	आठवां	सातवां	छठा	पाँचवा	चौथा	तीसरा	दूसरा	पहला	फिरावा
4	8	16	32	64	32	16	8	4	भोम व पहल

नक्शा नं. 77 जवेरों की नहर : चार पहल की हवेली की शोभा

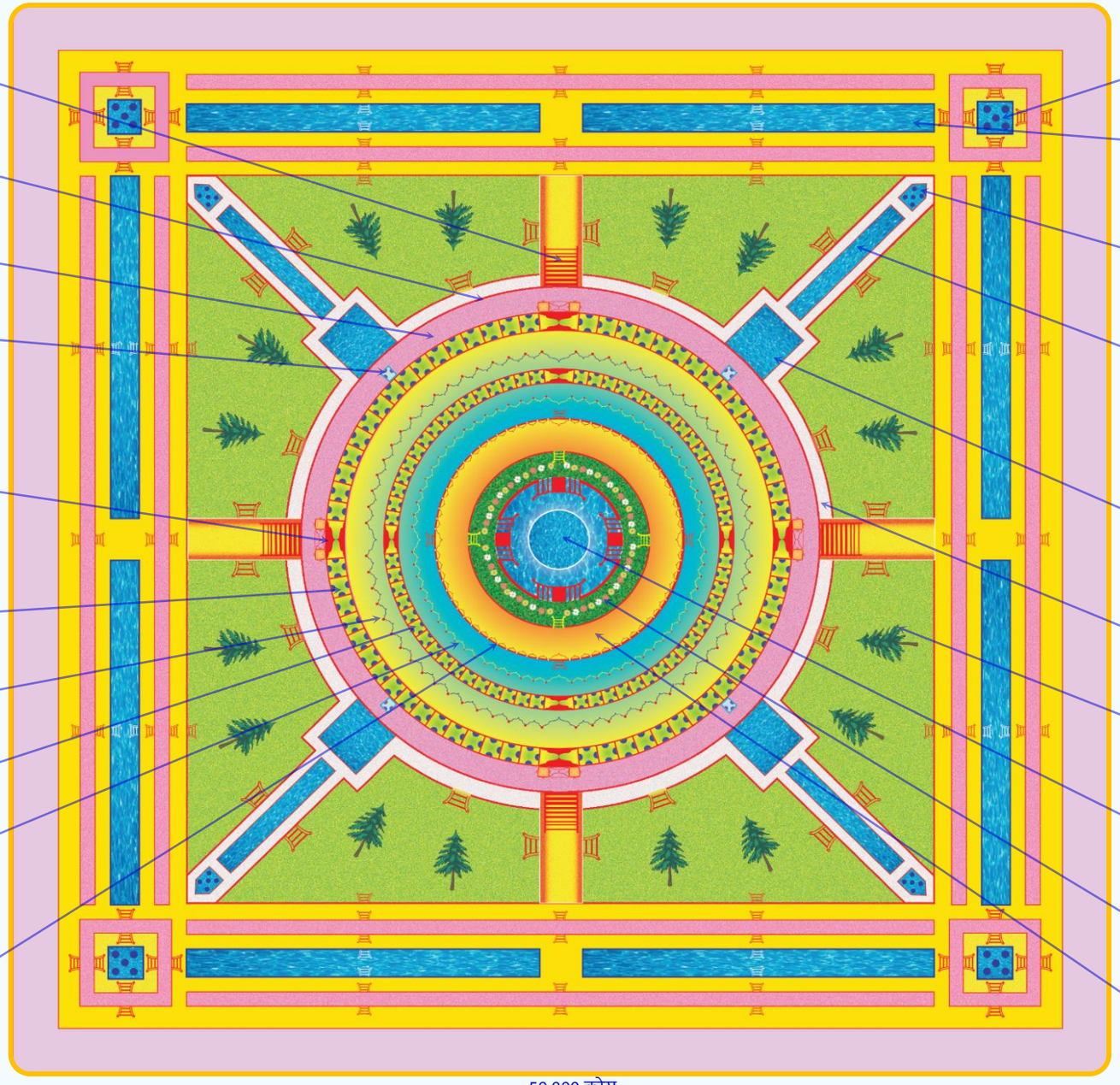

भोमभर सीढ़ियाँ (4 दिशाओं में)

गोल चबूतरा (भोमभर ऊँचा चौक के तीसरे हिस्से में)

रौंस (400 कोस चौड़ी)

4 चौरस गुर्ज (चारों कोनों में 200 कोस लम्बे-चौड़े)

दिशा के 4 बड़े दरवाजे व चबूतरे (मध्य में 133 कोस का दरवाजा व दाएं-बाएं133 कोस के कमरभर ऊँचे चबूतरे)

64 महलों की पहली हार (900 कोस लम्बे-चौड़े)

68 थंभों की पहली हार

64 महलों की दूसरी हार व 4 दरवाजे

68 थंभो की दूसरी हार

चबूतरा कमरभर ऊँचा (चारों दिशाओं में 3 सीढ़ियाँ, किनार पर 68 थंभ व कठेड़ा)

4 बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे

4 बड़ी नहरें, चौक के चारों दिशा में (400 कोस चौड़ी)

4 छोटे चेहबच्चे (चारों नहरों के कोनों में)

4 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी, मध्य में 33 कोस में पानी व दाएं–बाएं 33-33 कोस में रौंस)

4 कुंड धाम जमीन पर (200 कोस लम्बे-चौड़े)

रौंस धाम जमीन पर (कमरभर ऊँची)

4 बगीचे में 5 भोम ऊँचे बडोवन के वृक्ष

चेहबच्चा व पानी का स्तून (चबूतरे के तीसरे हिस्से में)

बगीचे

बैठक (नूरमयी गिलम युक्त)

50,000 कोस

4 पहल की हवेली की अन्दर की शोभा

4 पहल की हवेली की चाँदनी की शोभा

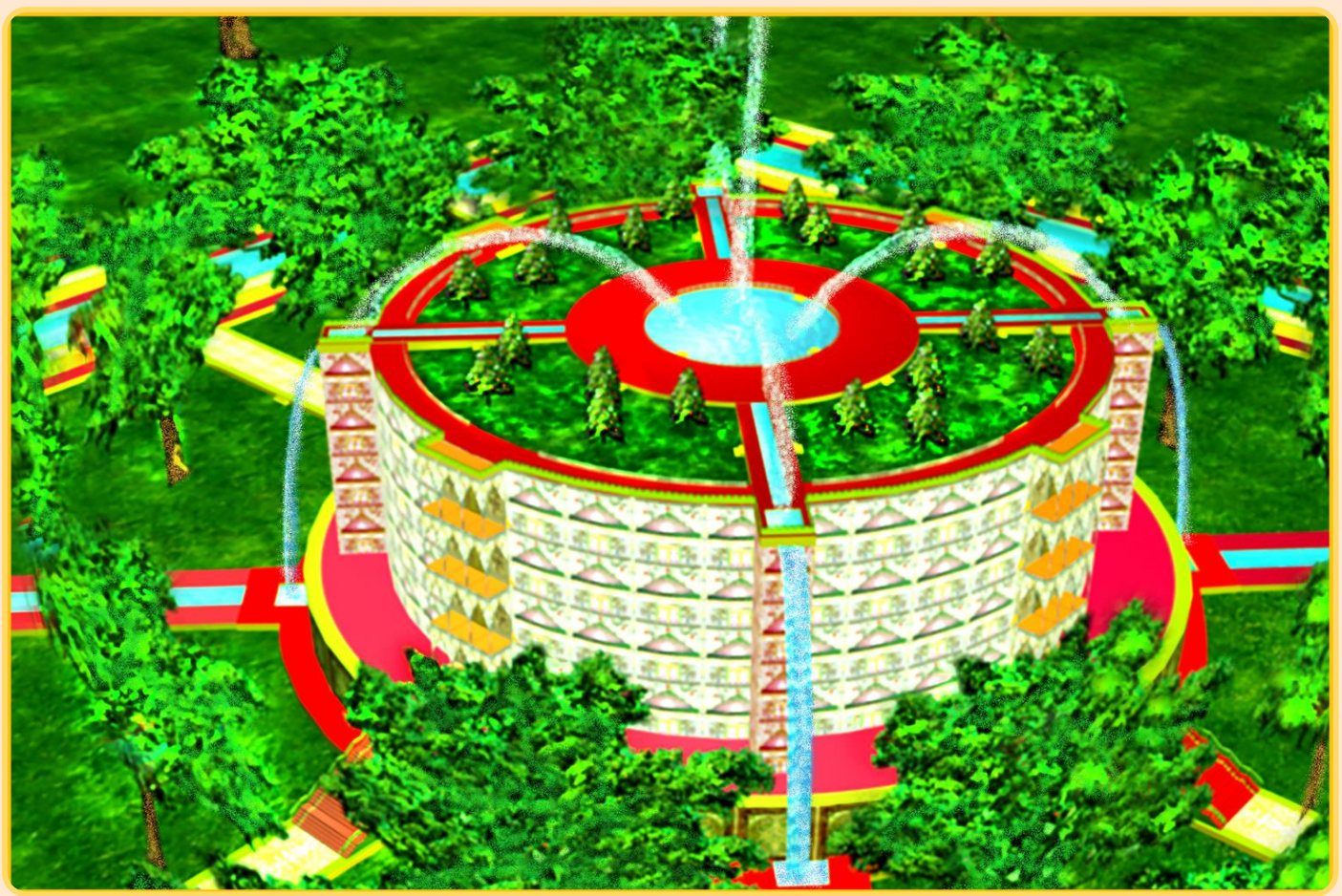

नक्शा नं. 78 जवेरों की नहर : हवेली में महलों की शोभा

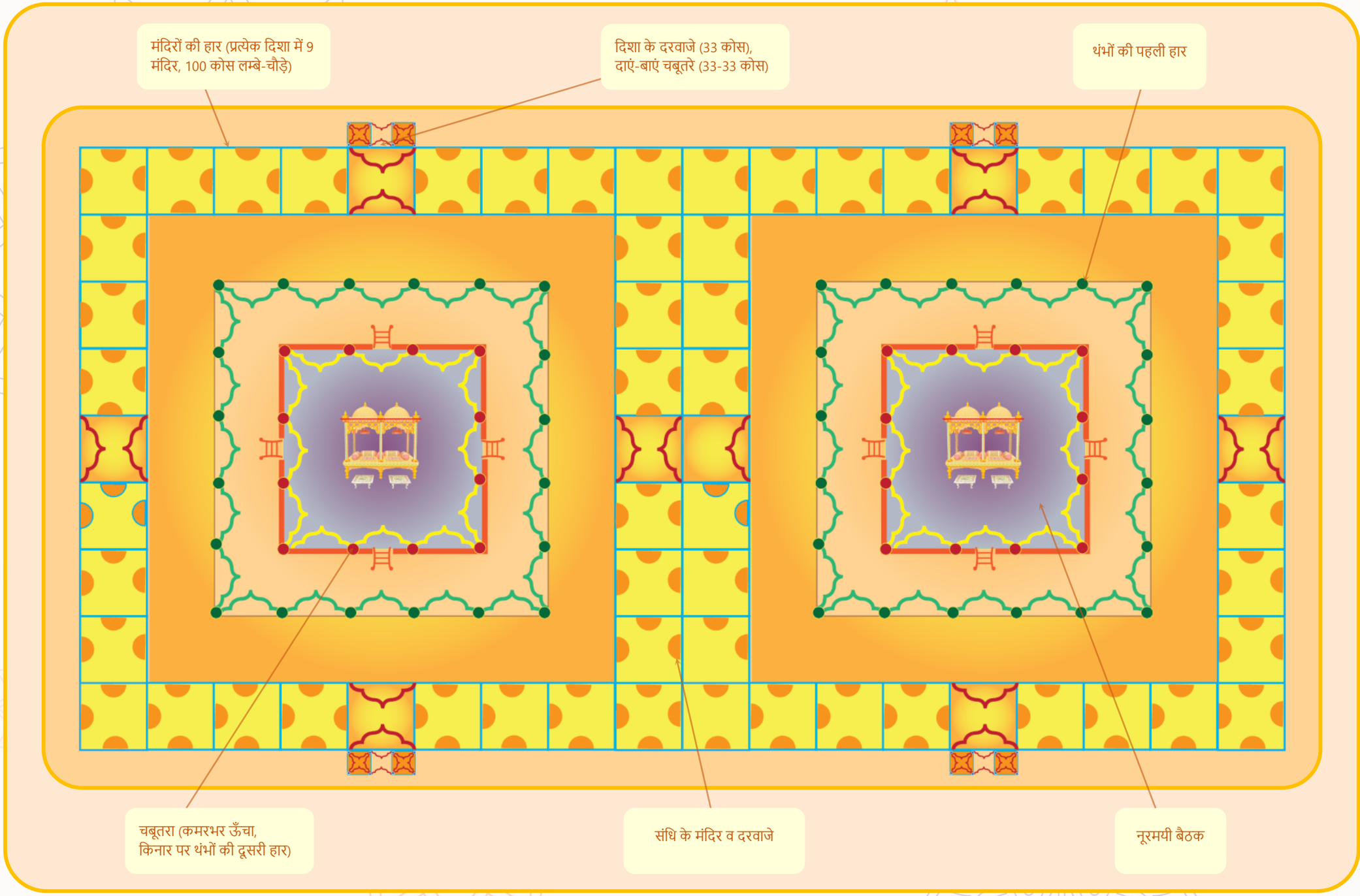

हर जातों मोहोल जुदे जुदे, जुदी जुगतें पानी चलत।
जुदी जुदी जुगतें कारंजें, क्यों कर कहूं एह सिफत।।

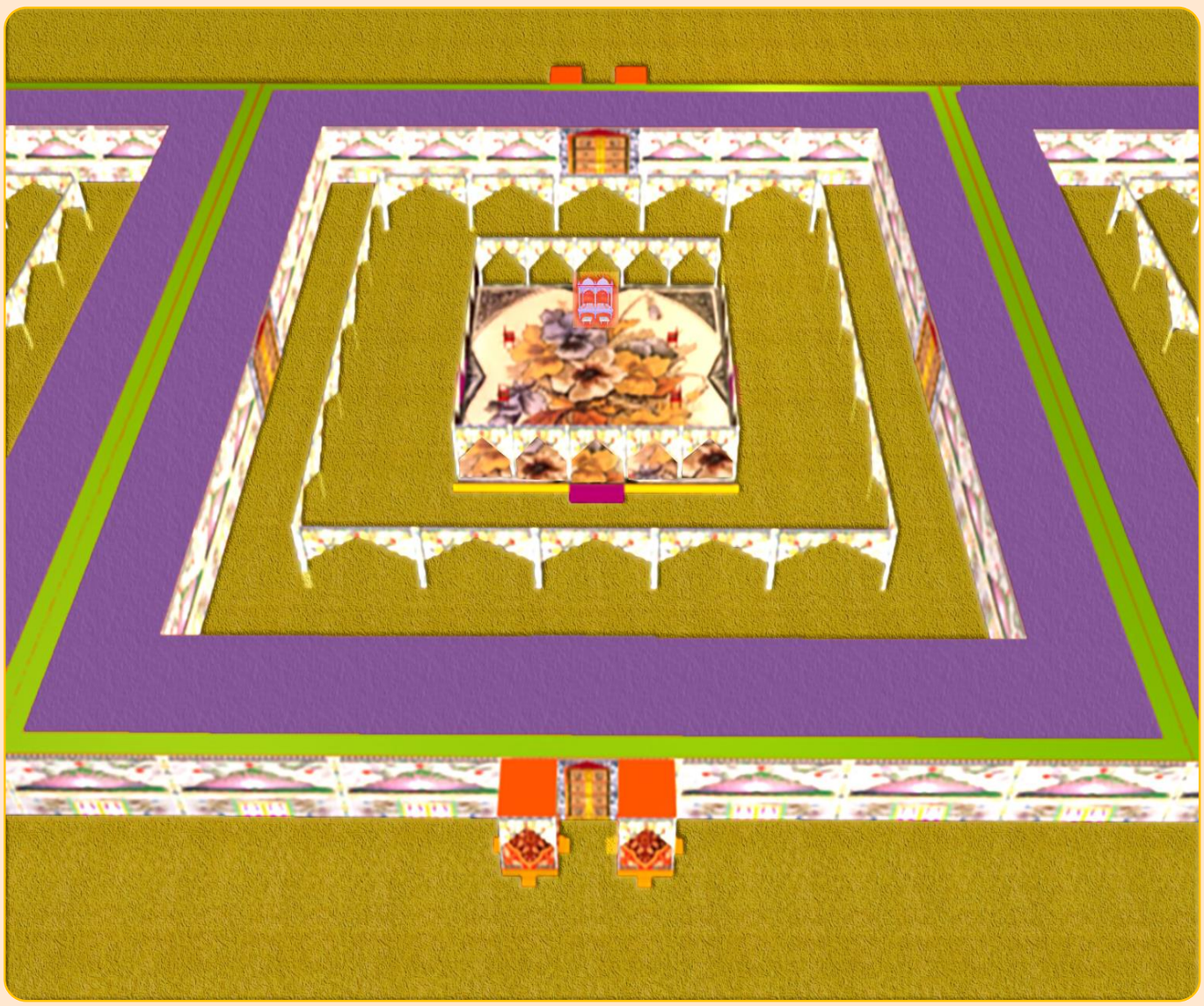

इन बड़े मोहोल सुख नेहेरों के, हमें कब देओगे खसम।
मांगे मंगाए जो देओ, सब हुआ हाथ हुकम।।

नक्शा नं. 79 जवेरों की नहर : आठ पहल की हवेली की शोभा

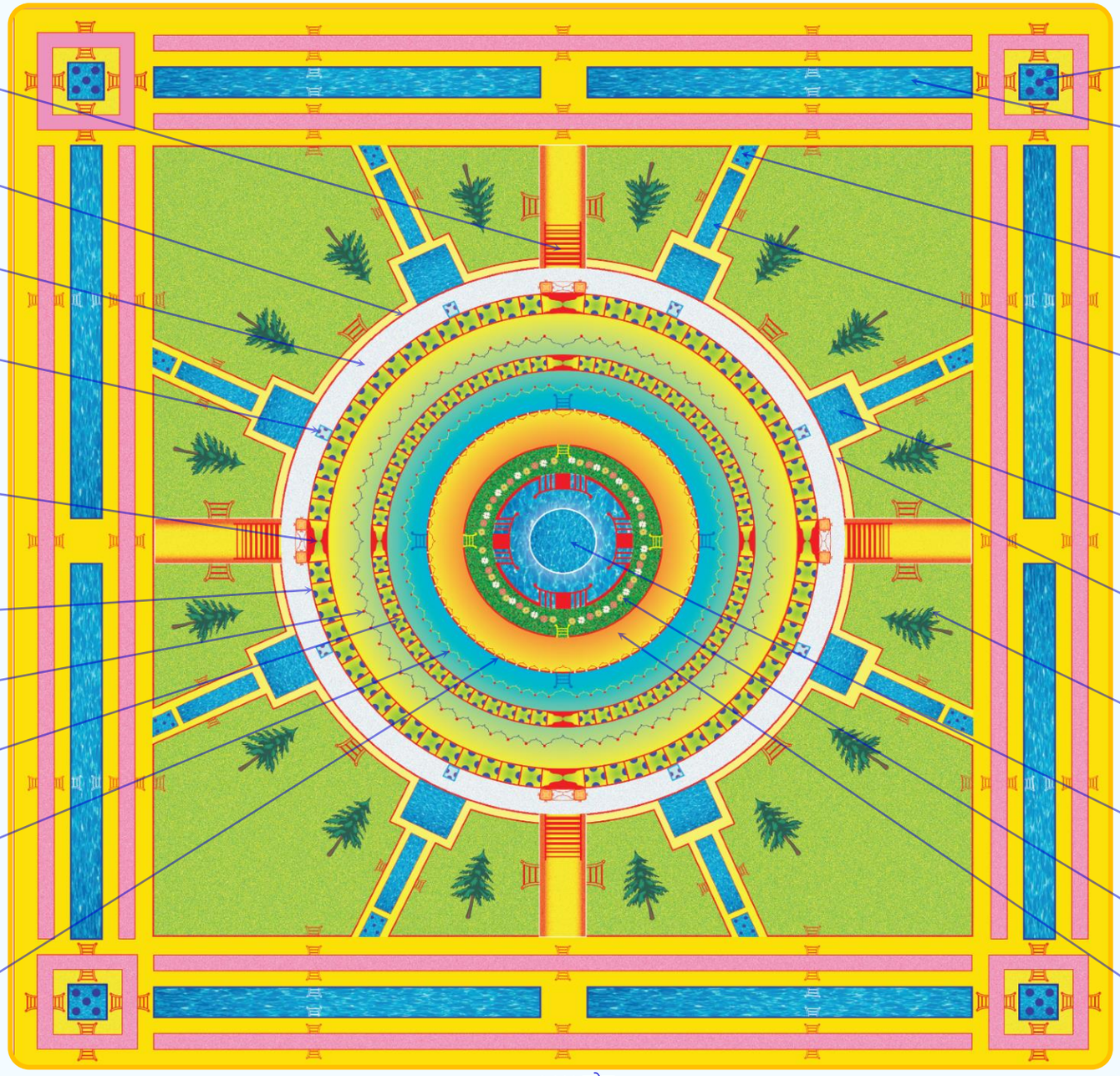

भोमभर सीढ़ियाँ (4 दिशाओं में)

गोल चबूतरा (भोमभर ऊँचा चौक के तीसरे हिस्से में)

रौंस (400 कोस चौड़ी)

8 चौरस गुर्ज

दिशा के 4 बड़े दरवाजे व चबूतरे (मध्य में 133 कोस का दरवाजा व दाएं-बाएं 133 कोस के कमरभर ऊँचे चबूतरे)

64 महलों की पहली हार (900 कोस लम्बे-चौड़े)

68 थंभों की पहली हार

64 महलों की दूसरी हार व 4 दरवाजे

68 थंभो की दूसरी हार

चबूतरा कमरभर ऊँचा (चारों दिशाओं में 3 सीढ़ियाँ, किनार पर 68 थंभ व कठेड़ा)

4 बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे

4 बड़ी नहरें, चौक के चारों दिशा में (400 कोस चौड़ी)

8 छोटे चेहबच्चे (8 नहरों के कोनों में रौंस से लगते हुए)

8 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी, मध्य में 33 कोस में पानी व दाएं-बाएं 33-33 कोस में रौंस)

8 कुंड धाम जमीन पर (200 कोस लम्बे-चौड़े)

रौंस (कमरभर ऊँची)

8 बगीचे में 9 भोम ऊँचे बड़ोवन के वृक्ष

चेहबच्चा व पानी का स्तून (चबूतरे के तीसरे हिस्से में)

बगीचे

बैठक (नूरमयी गिलम युक्त)

50,000 कोस

नक्शा नं. 80 जवेरों की नहर : आठ पहल की हवेली की चाँदनी की शोभा

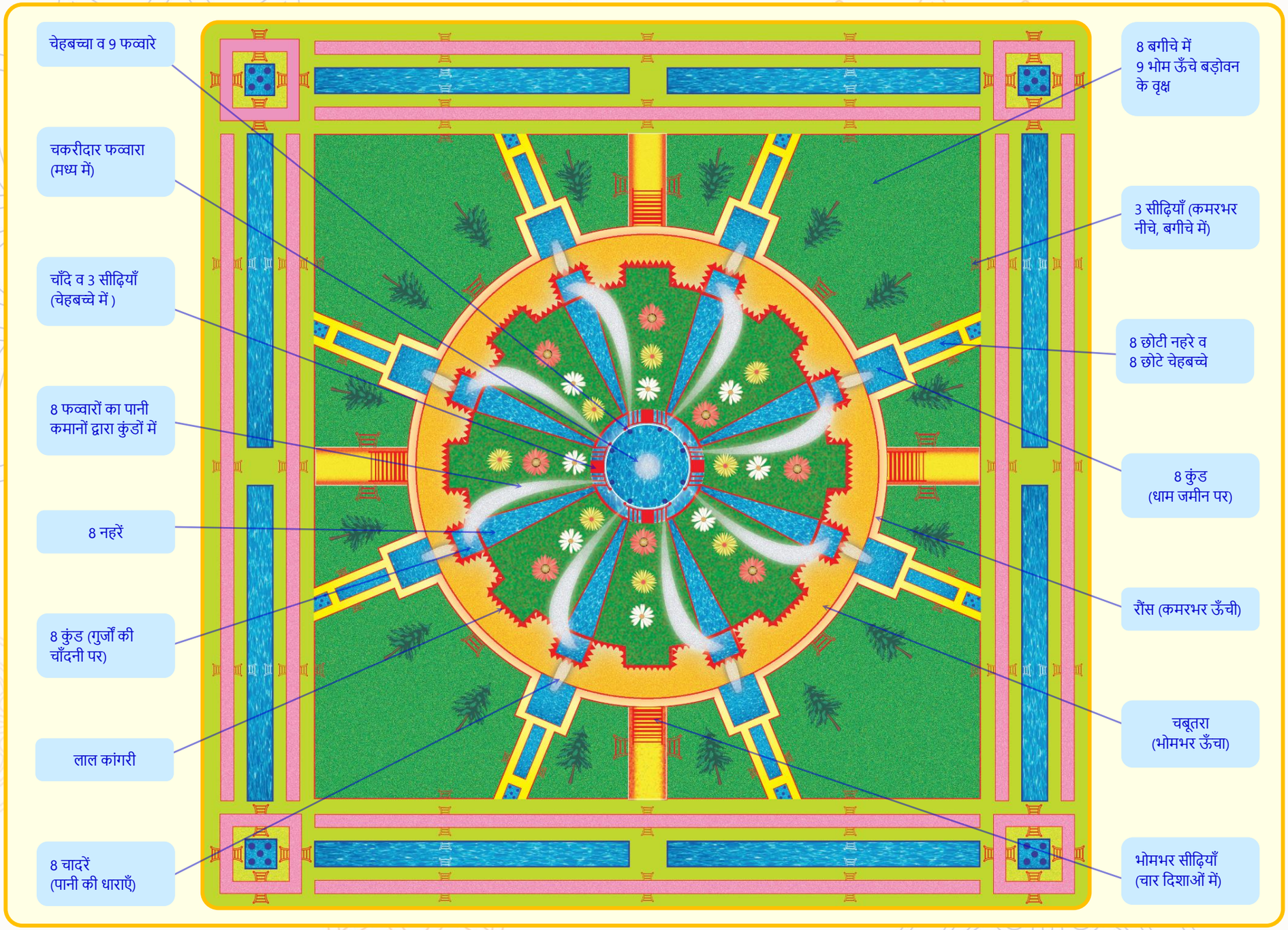

अब नेहेरें बरनन तो करूं, जो कछू होए हिसाब।
मोहोल मोहोल बीच कै कुंड बने, कै कारंजें छूटें ऊंचे आब।।

यों कई नेहेरें बीच सेहेरन के, इन सेहेरों कई मोहोलात।
हर मोहोलों कई बैठकें, ए सोभा कही न जात।।

नक्शा नं. 81 जवेरों की नहर : सोलह पहल की हवेली की शोभा

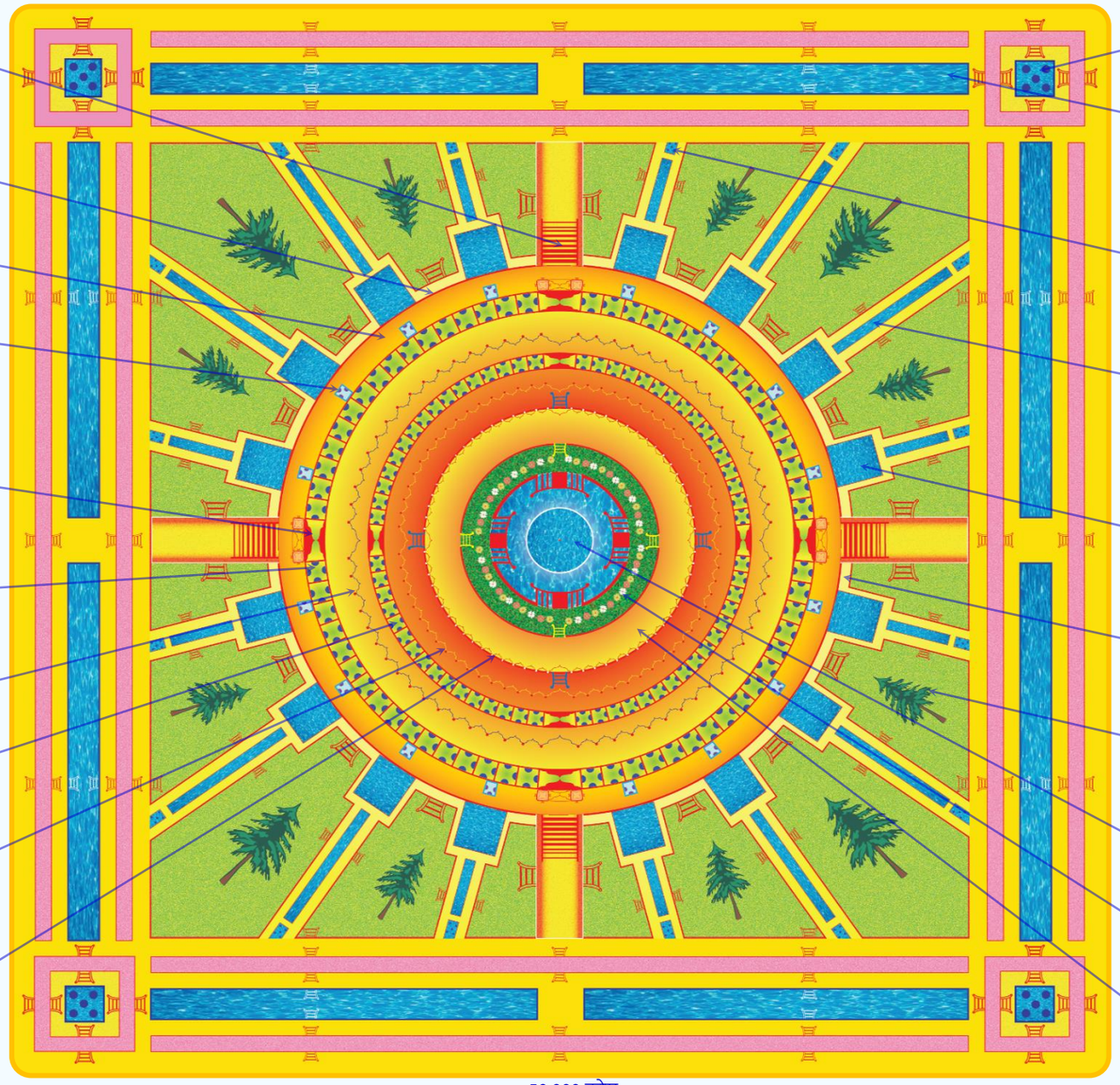

भोमभर सीढ़ियाँ (4 दिशाओं में)

गोल चबूतरा (भोमभर ऊँचा, चौक के तीसरे हिस्से में)

रौंस (400 कोस चौड़ी)

16 चौरस गुर्ज

दिशा के 4 बड़े दरवाजे व चबूतरे (मध्य में 133 कोस का दरवाजा व दाएं-बाएं 133 कोस के कमरभर ऊँचे चबूतरे)

64 महलों की पहली हार (900 कोस लम्बे-चौड़े)

68 थंभों की पहली हार

64 महलों की दूसरी हार व 4 दरवाजे

68 थंभो की दूसरी हार

चबूतरा कमरभर ऊँचा (चारों दिशाओं में 3 सीढ़ियाँ, किनार पर 68 थंभ व कठेड़ा)

बड़े चेहबच्चे व 5 फव्वारे

बड़ी नहरें, चौक के चारों दिशा में (400 कोस चौड़ी)

16 छोटे चेहबच्चे (16 नहरों के कोनों में)

16 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी, मध्य में 33 कोस में पानी व दाएं-बाएं 33-33 कोस में रौंस)

16 कुंड (धाम जमीन पर, 200 कोस लम्बे-चौड़े)

रौंस (कमरभर ऊँची)

16 बगीचे में 17 भोम ऊँचे मधुवन के वृक्ष

चेहबच्चा व पानी का स्तून (चबूतरे के तीसरे हिस्से में)

बगीचे

बैठक (नूरमयी गिलम युक्त)

50,000 कोस

नक्शा नं. 82 जवेरों की नहर : बत्तीस पहल की हवेली की शोभा

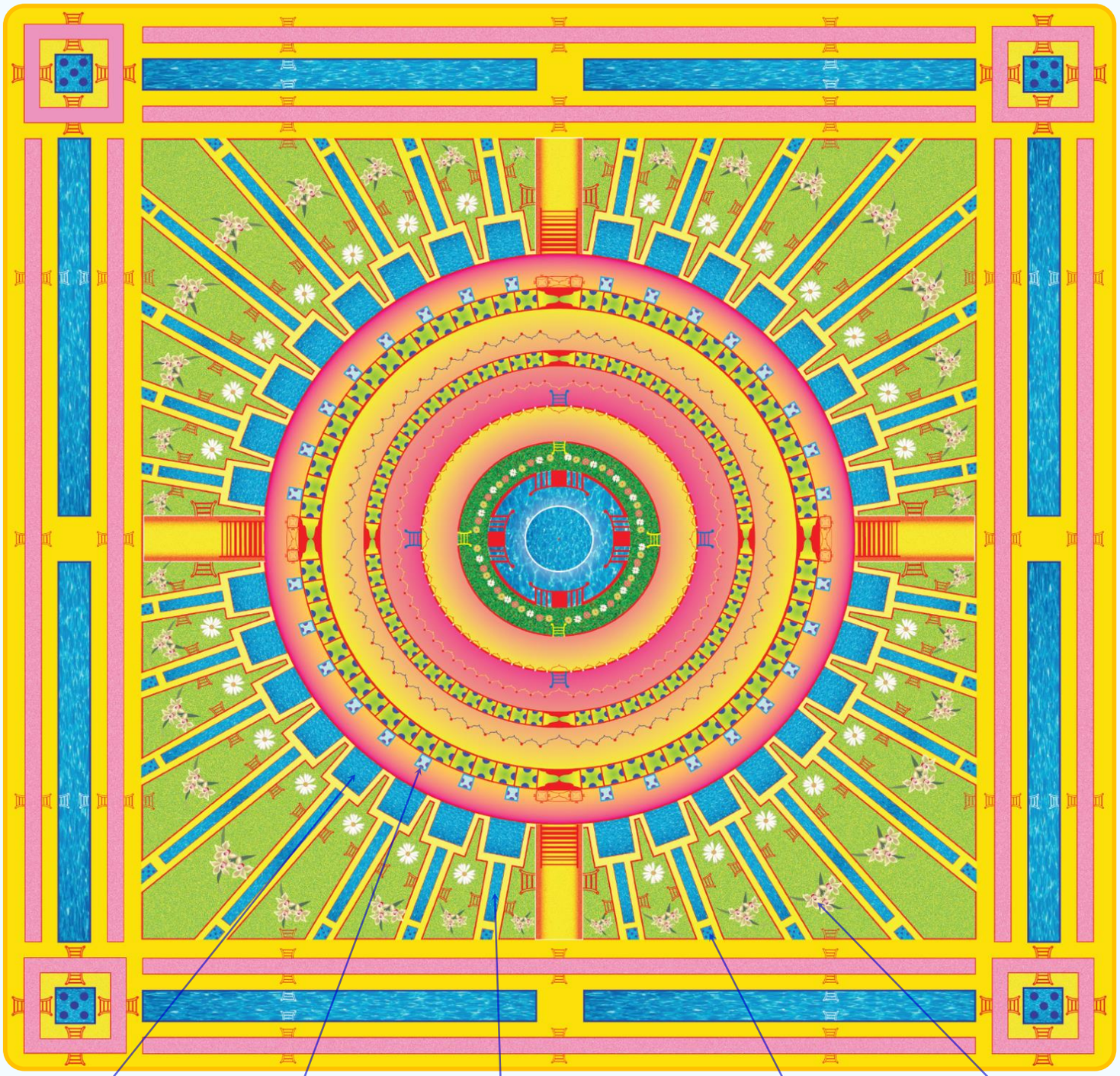

कई चलत चक्राव ज्यों, कई आड़ी ऊंची चलत।
कई चलत मोहोलों पर, कई मोहोलों से उतरत।।

नक्शा नं. 83 जवेरों की नहर : चौसठ पहल की हवेली की शोभा

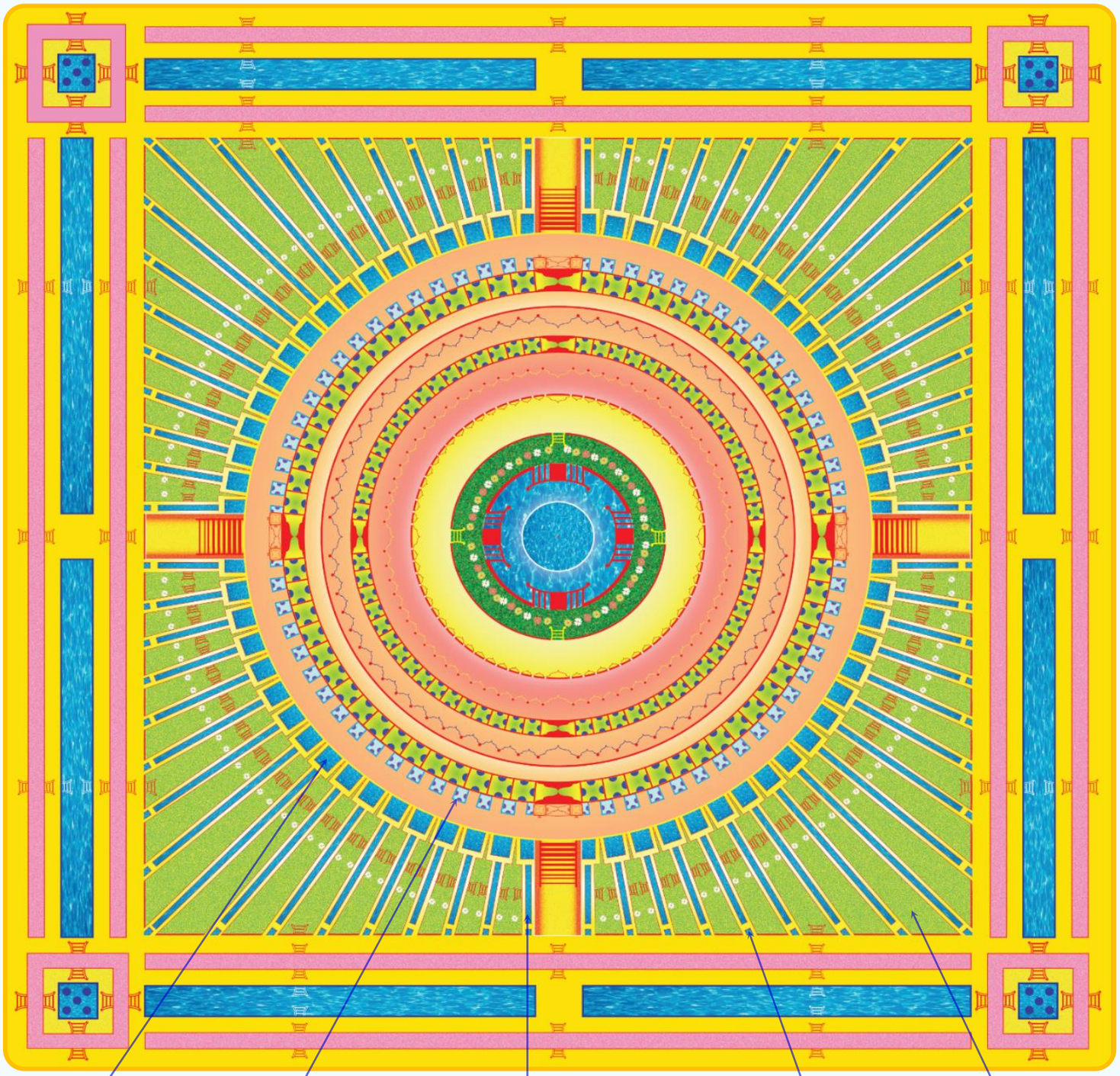

64 कुंड (धाम जमीन पर, 200 कोस लम्बे-चौड़े)

64 चौरस गुर्ज

64 छोटी नहरें (100 कोस चौड़ी, मध्य में 33 कोस में पानी व दाएं-बाएं 33-33 कोस में रौंस)

64 छोटे चेहबच्चे (64 नहरों के कोनों में)

64 बगीचे में 65 भोम ऊँचे महावन के वृक्ष

कहूं चार नेहेरें मिली चली, कहूं चार से सोले निकसत।
कई नेहेरें सुख इन मोहोलों, धनी कब करसी प्रापत ।।